countries has been on the decline and that a large number of African countries are not still having trade agreements with India;

(b) if so, what are the comparative figures of imports/exports with the African countries during the last three years, year-wise alongwith the reasons for the decline in India's trade with these countries; and

(c) what steps are proposed to be taken by Government to step up trade with these countries and also to enter into trade agreements with more African countries ?

THE MINISTER OF COMMERCE AND FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI P. SHIV SHANKER) : (a) and (b) Indo-African trade is detailed below :

Provisional

(Rs. in crores)

Year	Export	Import	Total
1982-83	346·75	197·43	544·18
1983-84	371·06	421·76	798·82
1984-85 (P)	363·16	417·51	780·67
1985-86 (P) (Apr. Sept.)	173·36	287·15	460·51

Drought, fall in primary commodity prices and foreign exchange shortage in African countries are mainly responsible for stagnation in Indian exports. Imports from Africa are, however, showing an increasing trend. It is true that India does not have trade agreements with a number of African countries.

(c) Several measures such as exchange of delegations organisation of fairs/exhibitions, establishing special bilateral arrangements are being taken to improve trade with african countries. Negotiations for concluding trade agreements with more African countries are continuing.

विदेशों में निर्माण करने वाली कम्पनियां

610. **श्री सुशील चन्द मोहन्ता :**
श्री हुकमदेव नारायण यादव :
श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :

क्या श्रम मंत्री 19 मई, 1985 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 1068 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान इन 83 निर्माण कंपनियों द्वारा कितने लोगों को किस-किस देश में कितने समय के लिए भेजा गया;

(ख) : क्या कम्पनी द्वारा सभी की चिकित्सीय जांच करवा ली गई थी; यदि हां, तो उनमें से कितनों को चिकित्सीय आधार पर विदेश से वापस भेजा गया;

(ग) उनके आने जाने के खर्चे का भार किसने वहन किया और क्या उन सबको उनको उचित मजदूरी का भुगतान कर दिया गया;

(घ) क्या यह सच है कि कई कंपनियों द्वारा भेजे गये लोग विदेशों में भटक कर मर गये अथवा उन्हें सरकार द्वारा वापस भेजा गया ; यदि हां, तो ऐसी कम्पनियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी०ए० संगमा) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।